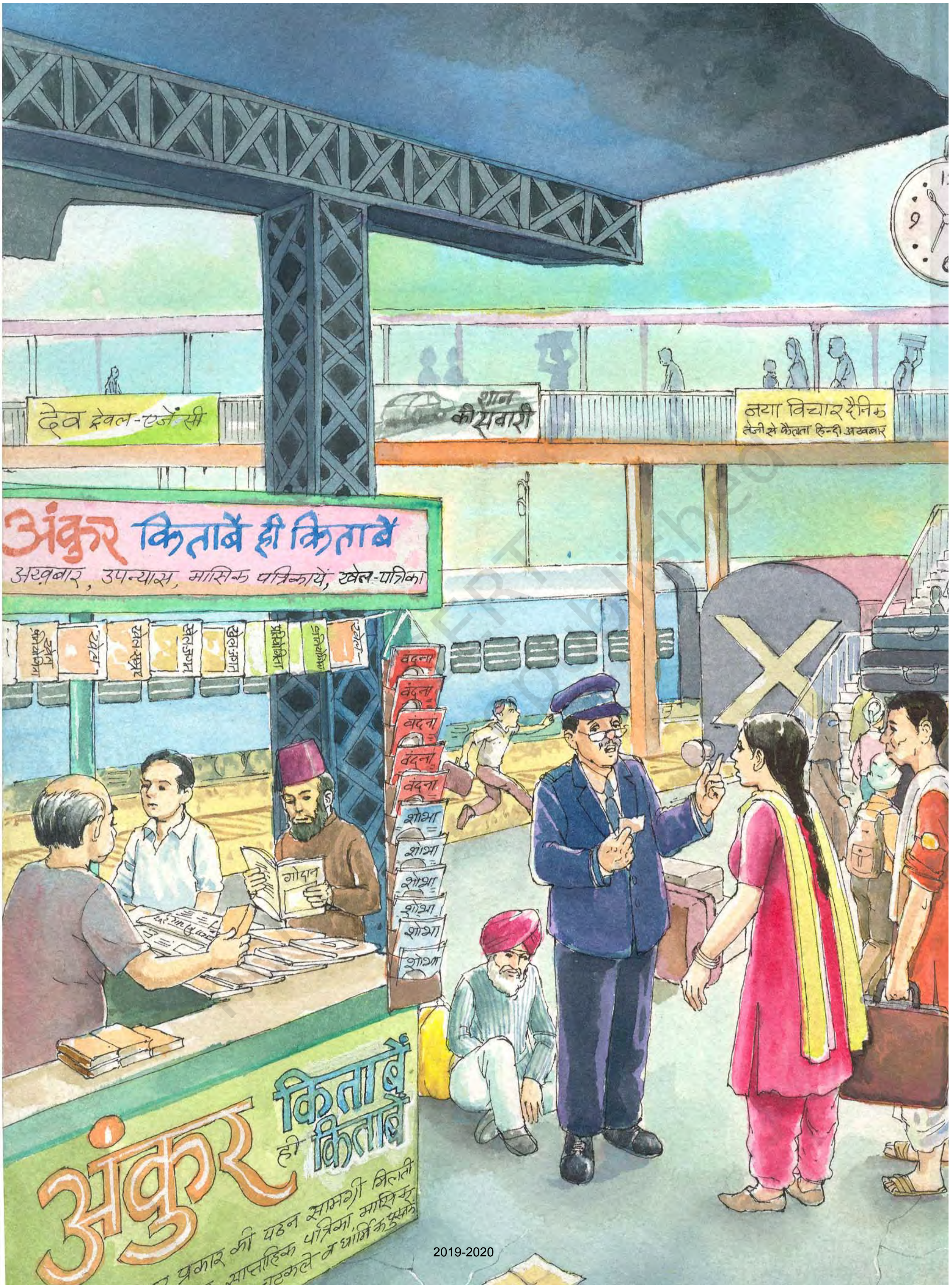
देव ट्रेवल-एजेंसी
शान की सवारी
नया विचार दैनिक
तेजी से फैलता हिन्दी अखबार
अंकुर किताबें ही किताबें
अखबार, उपन्यास, मासिक पत्रिकायें, खेल-पत्रिका
वंदना
शोभा
गोदान
अंकुर किताबें ही किताबें

1
हंसता-खेलता बचपन...
पोलियो..
...मुक्त, खुशहाल बचपन
स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्रालय के सौजन्य से
स्वच्छता हमारा है नारा
सुंदर लगे शहर हमारा
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें - सब बढ़ें
टिकट
धूम्रपान निषेध
लक्की
चायवाला
सावधान!
आस-पास पड़ी लावारिस वस्तुऐं जैसे:- सूटकेस टिफिन, खिलौना
मेरा प्रयोग

0117CH06

6. छुक-छुक गाड़ी

छूटी मेरी रेल।
रे बाबू, छूटी मेरी रेल।
हट जाओ, हट जाओ भैया!
मैं न जानूँ, फिर कुछ भैया!
टकरा जाए रेल।

धक-धक, धक-धक, धू-धू, धू-धू!
भक-भक, भक-भक, भू-भू, भू-भू!
छक-छक छक-छक, छू-छू, छू-छू!
करती आई रेल।

इंजन इसका भारी-भरकम।
बढ़ता जाता गमगम गमगम।
धमधम धमधम, धमधम धमधम।
करता ठेलम ठेल।

सुनो गार्ड ने दे दी सीटी।
टिकट देखता फिरता टीटी।
सटी हुई वीटी से वीटी।
करती पेलम पेल।

छूटी मेरी रेल।

© NCERT not to be republished

इतने सारे रंग

पिछले पन्नों में इन रंगों को ढूँढ़ो। इन रंगों वाली चीज़ों के चित्र बनाओ।

© NCERT not to be republished

नाम बताओ

....

....

....

पूरा करो

छूटी मेरी रेल, रे बाबू ....।

सुनो गार्ड ने दे दी ....।

हर डिब्बे पर उसके रंग वाली किसी चीज़ का नाम लिखो।

अब तक पिछले पन्नों में जितनी भी चीज़ों के नाम आए हैं उनकी सूची बच्चों की मदद से श्यामपट्ट पर लिखें। उन चीज़ों में से किसी एक चीज़ को रंग के अनुसार अलग-अलग रंग के डिब्बों में लिखने को कहें।

© NCERT not to be republished

2019-2020